माँ का दर चूमकर सारे गम भूलकर भजन लिरिक्स

माँ का दर चूमकर,
सारे गम भूलकर,
मैंने अर्जी लगाई, मजा आ गया,
दर बदर घूम कर,
मैया के द्वार पर,
मैंने झोली फैलाई, मजा आ गया।bd।

तर्ज – मेरे रश्के कमर।

सिंह पर बैठ कर माँ भवानी चली,
दुष्ट दानव पे माँ की दुधारी चली,
रण में संहार कर, दुष्टों को मार कर,
मुण्डमाला बनाई, मजा आ गया।bd।

माँ की कृपा के बादल बरस जायेंगे,
सबके बिगड़े मुकद्दर संवर जायेंगे,
बात बन जायेगी, झोली भर जायेगी,
माँ से आशा लगाई, मजा आ गया।bd।

आसरा इस जहाँ का मिले न मिले,
माँ के दर पे 'पदम्' को ठिकाना मिले,
आ गये द्वार माँ, कर दो उपकार माँ,
माँ की महिमा को गाई, मजा आ गया।bd।

माँ का दर चूमकर,
सारे गम भूलकर,
मैंने अर्जी लगाई, मजा आ गया,
दर बदर घूम कर,
मैया के द्वार पर,
मैंने झोली फैलाई, मजा आ गया।bd।

Singer – Mukesh Kumar

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com